रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

लॉकडाउन अवधि में किए गए कार्यों का प्रतिवेदन–प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलपति

मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री लालजी टंडन जी की प्रेरणा से मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा जगत में वर्तमान कोविद–19 के परिप्रेक्ष्य में अभूतपूर्व नवाचारों की श्रृंखला अनवरत संचालित है। आपके दिशा निर्देशों के अनुरूप रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय नवाचारों के नित नए सोपान तय कर रहा है। ये सब आपकी सतत प्रेरणा, उत्साहवर्धन एवं सृजनात्मक सुझावों का ही परिणाम है कि हम सभी न केवल कोविद–19 महामारी से उत्पन्न विलक्षण परिस्थितियों से सफलतापूर्वक निपट पा रहे हैं बल्कि इस विपरीत परिस्थिति को अवसर में परिवर्तित कर शिक्षा एवं शोध के नवीन आयाम भी गढ रहे है।

कोविद–19 वैश्विक महामारी के कारण लॉकडाउन से 23 मार्च 2020 से रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्य लगभग बंद हो गया। आपको अवगत कराने में हर्ष हो रहा है कि महामहिम राज्यपाल म.प्र. शासन के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ने लॉकडाउन के दौरान अपने ध्येय वाक्य 'समय पर परीक्षा एवं समय पर परिणाम' के प्रति संकल्पित रहा वहीं सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन किया गया। विश्वविद्यालय में लॉक डाउन की अवधि में ऑनलाइन अध्यापन मूल्यांकन, शोधकार्य प्रगति का निरीक्षण, प्रवेश, प्रतिस्पर्धा, कोविड–19 के प्रति जागरूकता एवं बौद्धिक व्याख्यान एवं ऑनलाइन संगोष्ठी (वेबिनार) का निरंतर आयोजन करते हुए निम्नलिखित नवाचार प्रारम्भ किये गए–

ऑनलाइन अध्यापन

- गूगल मीट, जूम, वेबेक्स आदि एप से ऑनलाइन अध्यापन।
- ऑनलाइन छात्रों के पाठ्यक्रम संबंधी समस्याओं का निवारण।
- ई–लर्निंग पाठ्यक्रम एवं लिंक प्रदान किया गया।
- विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर ई–विषय वस्तु अपलोड किया जाना।
- यू–टयूब एवं अन्य सोशल मीडिया से प्राध्यापकों के व्याख्यान अपलोड किया गया।
- विषय और विद्यार्थियों की समस्याओं पर निरंतर संवाद।
- प्रेरणादायी एवं सरकारी निर्देशों, उद्बोधनों, वीडियो, संदेशों का आदान प्रदान।
- सी सी ई प्रश्न उत्तर के माध्यम से एवं उनका मूल्यांकन ऑनलाइन।
- पोस्टर एवं लेखन प्रतियोगिता का आयोजन।
- शंका समाधान।
- असाइनमेंट निर्धारण एवं उसे ऑनलाइन ही सम्पन्न कर मूल्यांकन करना।
- जिन विद्यार्थियों के पास व्हाट्सएप्प सुविधा नहीं है उन्हें सीधे दूरभाष पर शंका समाधान एवं सूक्ष्म लेक्चर्स प्रदान करना'।
- विद्यार्थियों के लिए व्हाट्सएप्प ग्रुप्स पर लगातार विषय से संबंधित लिंक्स, लेक्चर्स, पीपीटी, पीडीएफ अपलोड करना।

राुदविवि की वेबसाइट पर अपलोड होंगे लेक्चर्स

छात्रों की ऑनलाइन क्लासेस शुरू, प्रोफेसर्स से मोबाइल पर भी बात कर सकेंगे छात्र

[illegible]

छात्रों को भेजे 4 लाख मैसेज

[illegible]

5 दिन में एक सैकड़ा नोट्स वेबसाइट पर अपलोड

[illegible]

सेमिनार, लघु शोध प्रबंध का ऑनलाइन मूल्यांकन

[illegible]

इनके भी वीडियो अपलोड

[illegible]

रादुविवि के कुलपति का आदेश

वेबसाइट पर अपलोड करें लेक्चर

जबलपुर @ पत्रिका. कोरोना वायरस से बचाव और लॉक डाउन के कारण सभी शिक्षण संस्थान और विश्वविद्यालय बंद हैं। विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने सभी विभागों के प्राध्यापकों को ऑनलाइन अध्यापन कराने के लिए कहा है।

कुलपति ने प्राध्यापकों को फेसबुक, यू ट्यूब, जूम ऐप, विद्या सहित अन्य ऑनलाइन टूल्स की मदद से लाइव क्लासेस लेने के निर्देश दिए हैं। यूनिवर्सिटी के आईटी सेल प्रभारी डॉ. अजय गुप्ता को सभी प्रोफेसर्स के लेक्चर विवि की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए कहा है। आईटी प्रभारियों को लाइव क्लासेस की नियमित मॉनीटरिंग करने का आदेश भी दिया है।

यूनिवर्सिटी में शोधकार्यों पर हो फुल फोकसः कुलपति प्रो. मिश्र

आरडीयू के सभी विभागाध्यक्षों से वीडियो कॉल के माध्यम से कुलपति ने बैठक कर जारी किए निर्देश

[illegible]

छात्रहित में अध्यापन कार्य को ऑनलाइन कराने की व्यवस्था

[illegible]

विद्यार्थियों को मोटिवेट करने का कार्य भी आवश्यक

[illegible]

रादुविवि में ऑनलाइन कक्षाएं जारी, विवि की वेबसाइट पर अपलोड होंगे लेक्चर्स

जबलपुर। देश में फैले कोरोना संकट के कारण लॉकडाउन होने से सभी शिक्षण संस्थान बंद है। इसके चलते रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय भी बंद है इस बंद के दौरान छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक कार्य प्रभावित ना हो इसके लिए रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. कपिलदेव मिश्र ने सभी शिक्षकों से छात्रों ऑनलाइन अध्यापन कार्य कराने को कहा है। लॉकडाउन के चलते रानी दुर्गावती विवि में स्टूडेंट्स के लिए ऑनलाइन क्लासेस शुरू हो चुकी हैं। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय माननीय कुलपति प्रो. कपिलदेव मिश्र ने यूनिवर्सिटी के शिक्षकों को फेसबुक, यूट्यूब, जूम एप्स, सहित विद्या और अन्य ऑनलाइन टूल्स की मदद से लाइव क्लासेस लेने निर्देश जारी किए हैं। प्रोफेसर्स इन टूल्स का यूज करके स्टूडेंट्स को ऑनलाइन ही अध्यापन कराएंगे, ताकि स्टूडेंट्स की पढ़ाई का नुकसान न हो। इस काम में विवि के आईटी सेल द्वारा मदद की जाएगी।

ऑनलाइन मूल्यांकन

- छात्रों द्वारा सीसीई के अंतर्गत सेमीनार का ऑनलाइन पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत।
- पीपीटी एवं अन्य माध्यमों से प्रस्तुत सेमीनार का मूल्यांकन।
- छात्रों के लघु शोध प्रोजेक्ट कार्य का ऑनलाइन मूल्यांकन एवं निरीक्षण।

पत्रकारिता के सेमीनार, लघु शोध प्रबंधों का ऑनलाईन मूल्यांकन

लॉकडाउन की स्थिती में आरडीयू के पत्रकारिता विभाग द्वारा बीए एमसी, एमए एमसी, बीजेसी एवं एमजेसी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के विषयवार सेमीनार तैयार करने का कार्य ऑनलाईन किया गया। इसमें विभाग के शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के विषयवार टॉपिक तैयार कराने से लेकर सेमीनार तैयार कराने का कार्य किया गया। वहीं बीजेसी, एमजेसी, एमए एमसी अंतिम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं के विषयवार लघु शोध प्रबंध भी तैयार कराए गए जिनका ऑनलाईन मूल्यांकन जारी है। ऑनलाईन शैक्षणिक गतिविधियों के अंतर्गत जूम एप के माध्यम से 15 अप्रैल से निरंतर ऑनलाईन कक्षाएं जारी हैं, जिनका लिंक यूनिवर्सिटी वेबसाईट पर देखा जा सकता है। इसी तरह पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए विषय से संबंधित शिक्षण सामग्री लगभग 40 पीडीएफ व वीडियो, ऑडियो लेक्चर की सामग्री भी यूनिवर्सिटी वेबसाइट पर अपलोड हैं, जिसका अवलोकन विद्यार्थियों द्वारा किया जा सकता है।

मिल-जुलकर करना होगा संकट का सामना

रादुविवि में कोविड-19 को लेकर आयोजित वेबिनार में बोले कुलपति

पीपुल्स संवाददाता ● जबलपुर

editor@peoplessamachar.co.in

वर्तमान समय में पूरा विश्व कोरोना वायरस महामारी के कारण संकट की स्थिति में है। भारत में भी पूरा सरकारी तंत्र और समाज का प्रत्येक वर्ग इससे उत्पन्न परिस्थितियों के कारण बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

इस संकट के काल में मीडिया ही है जो सरकार, शासन और समाज के बीच एक सेतु की तरह हर मोर्चे पर जोड़ने का कार्य कर रहा है। निश्चित तौर पर ऐसे समय में मीडिया के समक्ष भी कई नई गंभीर चुनौतियां सामने आई हैं, ऐसे में इन चुनौतियों को अवसर में बदलने का कार्य भी प्रशासन और समाज को ही मिल-जुलकर करना है। उपरोक्त उद्गार

कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने मंगलवार को विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग पत्रकारिता विभाग में कोरोना संक्रमण, जनमाध्यमों की चुनौतियां एवं समाधान विषय पर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

6 राज्यों से वेबिनार में शामिल हुए प्रतिभागी

वेबिनार संयोजक प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने बताया कि इस वेबिनार में 6 राज्यों हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से 124 प्रतिभागी शामिल हुए। बीजेसी छात्र अमरकांत चौधरी की होस्टिंग में समन्न वेबिनार में आभार प्रदर्शन अतिथि विद्वान डॉ. संजीव श्रीवास्तव ने किया। वेबिनार में सह संयोजक पत्रकारिता विभाग के अतिथि विद्वान डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेष प्रसाद, डॉ. प्रमोद पाण्डे, डॉ. मोहनिका गजभिए, कौशल विकास विभाग के डॉ. अजय मिश्रा सहित पत्रकारिता विभाग के सभी छात्र-छात्राएं एवं शोधार्थी मौजूद रहे।

CamScanner

कोरोना वारियर्स नहीं फिर भी सच को सामने लाने में जुटे पत्रकार

वेबिनार में बोले नईदुनिया के स्थानीय संपादक रविन्द्र दुबे

संकटकाल में सरकार और समाज के बीच सेतु बना मीडिया

Published in 19 May 2020 print edition of Raj Express

पुस्तकालयों की जीवंतता कायम रखना एक चुनौती : कुलपति मिश्र

आरडीयू पुस्तकालय विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय वेबिनार संपन्न

जबलपुर (आरएनएन)। शैक्षणिक जगत के लिए पुस्तकालयों का महत्व प्राचीन काल से रहा है। ज्ञानार्जन के लिए पुस्तकों का कोई विकल्प नहीं हो सकता। कोरोना जैसी महामारी व लॉकडाउन की स्थिति में पुस्तकालयों की जीवंतता कायम रखना एक चुनौती है। वर्तमान स्थिति में पुस्तकालयों की जीवंतता बनाये रखने के लिए पुस्तकालय विज्ञान के विषय विशेषज्ञों के विचारों एवं सुझावों का पालन किया जाना शैक्षणिक संस्थाओं के लिए अपरिहार्य एवं आवश्यक भी है। उक्त उद्गार कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने वेबिनार की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

आरडीयू के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा 'महामारी की स्थिति में पुस्तकालयों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयोग, मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय यूनिवर्सिटी के पुस्तकालय विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो.आर.पी.बाजपेई ने परंपरागत व डिजिटल लाइब्रेरी की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में परंपरागत पुस्तकालयों के सुचारू रूप से संचालन के लिए आवश्यक मापदंडों पर विचार किया जाना होगा जिसके लिए मानव संसाधन व वित्तीय संसाधनों की मुख्य भूमिका होगी। सम्पूर्णानन्द संस्कृत यूनिवर्सिटी, वाराणसी के पुस्तकालय विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. एच.के. चक्रवर्ती ने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करते है। आवश्यकता इस बात की है कि लॉकडाउन के बाद पुस्तकालयों के संचालन सम्बन्धी विभिन्न पहलुओं पर ध्यान दिया जाना होगा।

इन्होंने भी दी जानकारी

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान, कोलकाता के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. वी.आर. तिवारी ने लॉकडाउन के दौरान व उसके बाद जैसे सैनिटाईजेशन, सामाजिक दूरी आदि के पालन के साथ पुस्तकालयों के संचालन के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि यूनिवर्सिटी, लखनऊ के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ.मनीष कुमार बाजपेयी ने कोरोना महामारी अवधि में पाठ्य सामग्रियों के इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में वितरण में कॉपीराइट व साहित्यिक चोरी जैसी समस्याओं का उल्लेख करते हुए आवश्यक कानूनी नियमों पर विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय वेबिनार के समन्वयक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के प्रभारी प्रो. राजीव दुबे, संयोजक डॉ.सत्य प्रकाश त्रिपाठी व सह संयोजक श्रीमती लीना हल्दकार ने उक्त वेबिनार का आयोजन किया जिसमें लगभग 100 प्रतिभागियों सहभागिता रही।

अकादमिक उन्नयन

महामहिम राज्यपाल मध्यप्रदेश शासन की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों एवं शोध केन्द्र में राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी (वेबिनार) का आयोजन।

- राष्ट्रीय स्तर के विद्वानों का ऑनलाइन व्याख्यान।
- लॉकडाउन के पश्चात विश्वविद्यालय में अनवरत उच्च कोटि के अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय वेबिनार संचालित हैं जो वेबक्स, जूम, स्कीप, गूगल मीट आदि वेब प्लेटफॉर्म्स का बखूबी प्रयोग कर रहे हैं'
- विश्वविद्यालय की फैकल्टी द्वारा इस दौरान शोधपत्रों का प्रकाशन जारी है

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय

वेबीनार में दी जाएगी जानकारी

मोबाइल पर पढ़ाई छोटे बच्चों के लिए खतरा !

राज एक्सप्रेस

आरडीयू पत्रकारिता विभाग की ऑनलाइन संक्रमण : जन माध्यमों की चुनौतियां एवं समाधान विषय पर वेबिनार आज

जनमाध्यमों की चुनौतियां एवं समाधान पर वेबिनार कल

शोध कार्यों का ऑनलाइन निरीक्षण

- शोधार्थियों के शोध कार्यों की प्रगति का शोध निर्देशकों द्वारा सॉफ्ट कॉपी का ऑनलाइन निरीक्षण किया जाना और उचित निर्देश दिया जाना।
- माननीय कुलपति जी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शोधार्थियों से चर्चा की।

कोविड-19 के चलते प्रबंधन विशेषज्ञों से हैं बहुत सी अपेक्षाएं

आरडीयू पत्रकारिता में ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन

परीक्षा एवं प्रशासनिक कार्य

- माननीय कुलपति की अध्यक्षता एवं कुलसचिव जी की उपस्थिति में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विद्या परिषद की बैठक का आयोजन।
- माननीय कुलपति जी ने सभी विभागाध्यक्षों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से समय–समय पर ऑनलाइन / वीडियो कॉलिंग से चर्चा की।
- विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य 'समय पर परीक्षा एवं समय पर परिणाम' के प्रति सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग / राजभवन एवं मप्र शासन के निर्देशों के अनुपालन में परीक्षाओं का संचालन।
- स्नातकोत्तर परीक्षाएं संचालित कराने के लिए संबंधित प्राचार्यों को पूर्व में निर्देश जारी किए गए।

रादुविवि: ऑनलाइन कक्षाएं लगाने को लेकर कुलपति ने प्राचार्यों को लिखा पत्र

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वविद्यालय से सम्बंधित सभी शासकीय व अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों को पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि, कुलाधिपति द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में विवि की परीक्षाएं लॉकडाउन समाप्ति के पश्चात् परीक्षाएं प्रारंभ हो जाएंगी। जिसके कारण रादुविवि प्रशासन ने सभी प्राचार्यों को पत्र लिखकर निर्देशित किया है कि, वे अपने-अपने महाविद्यालयों के अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए निर्धारित पाठ्यक्रमों को अनिवार्य रूप से ऑनलाइन माध्यमों की सहायता से पूर्ण कराए।

लॉकडाउन में शैक्षणिक कैलेण्डर प्रभावित नहीं होना चाहिए

कार्यालय संवाददाता, जबलपुर| राज्यपाल लालजी टंडन ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी कुलपतियों को निर्देश दिए हैं कि लॉकडाउन के बावजूद शैक्षणिक कैलेण्डर प्रभावित नहीं होना चाहिए। सभी विश्वविद्यालय ऑनलाइन क्लासेस के जरिए पाठ्यक्रमों को पूरा कराएं और समय पर परीक्षाएं कराना सुनिश्चित करें। मंगलवार की दोपहर 12 बजे से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की गई। जबलपुर कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एसपी तिवारी और जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुए। वहीं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कपिलदेव मिश्र के चित्रकूट में होने की वजह से सतना जिले के कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुए। पी-2

मुश्किल हालात हुए तो रादुविवि अपनी इमारत देने तैयार

कुलपति ने कहा कि प्रशासन को देंगे प्रस्ताव, संदिग्धों को क्वारंटाइन करने की कर सकते हैं व्यवस्था

लॉकडाउन समाप्त होने के बाद रादुविवि जारी करेगा परीक्षा कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, जबलपुर| लॉकडाउन समाप्त होने के बाद रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा का कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। इस संबंध में राजभवन से भी जानकारी मांगी गई है। कुलपति प्रो. कपिलदेव मिश्र ने बताया कि राज्यपाल लालजी टंडन ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी कुलपतियों से बातचीत की थी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में हुई बातचीत के आधार पर राजभवन से जानकारी मांगी गई है। राजभवन की ओर से भेजे गए पत्र में लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन इंटरेक्टिव क्लासेस की संख्या, विवि की वेबसाइट पर अपलोड किए गये वीडियो, ऑडियो, पीपीटी और पीडीएफ लेक्चर्स की संख्या की जानकारी देने के लिए कहा गया है। पी-2

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय

लॉकडाउन के बाद होंगी परीक्षाएं

रादुविवि से ऑनलाइन क्लास लेक्चर्स का तलब किया ब्यौरा

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)।

RDU readies exam plan post lockdown

- The University Vice-Chancellor has issued necessary instructions to all the professors to conduct online classes and other academic activities through facebook, youtube, zoom app, whatsapp and other online tools

■ Staff Reporter

RANI Durgavati University (RDU) administration has chalked out complete plan for examinations which were postponed due to lockdown. As per plan, gaps between two papers will be reduced while papers will be conducted on holidays also. So that examination will be completed soon. Soon after the lockdown is called off, the University administration will ask all its departments to start preparing for examination.

The university administration has also received a letter from Rajbhavan to provide details about examination schedule. Vice-Chancellor of RDU, Professor Kapil Deo Mishra has instructed all the departmental heads to provide details and to forward desired reply to the Rajbhavan, Bhopal.

Registrar of RDU, Professor Kamlesh Mishra informed that, the higher authorities at Rajbhavan sought the details regarding number of online interactive classes, number of videos and audio lectures uploaded on the university official website, number of PDF and PPT lectures uploaded on the website, number of research papers published till date and daily time table of online classes, etc.

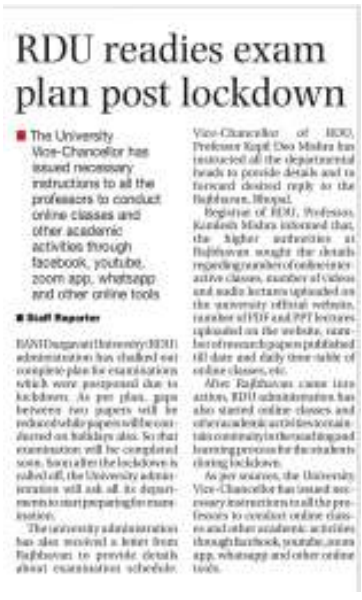

After Rajbhavan came into action, RDU administration has also started online classes and other academic activities to maintain continuity in the teaching and learning process for the students during lockdown.

As per sources, the University Vice-Chancellor has issued necessary instructions to all the professors to conduct online classes and other academic activities through facebook, youtube, zoom app, whatsapp and other online tools.

कोरोना के बाद आर्थिक मंदी से उबरने तलाशें नए अवसर

वेबीनार में चर्चा

- रादुविवि में कोविड-19 पर हुआ ऑनलाइन वेबीनार
- चुनौतियां संगठित होकर प्रयास करने का अवसर लाई है

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय

लॉकडाउन के बाद होंगी परीक्षाएं

रादुविवि का फरमान : लॉकडाउन खत्म होते ही शुरू होंगी परीक्षाएं, रखें तैयारी

कोविड-19 का मुकाबला आत्मनिर्भरता से करना होगा

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट प्रबंधन विभाग में 'मैनेजमेंट ऑफ इंडस्ट्री पोस्ट कोविड-19' विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। इस वेबीनार में कुलपति कपिल देव मिश्र, रजिस्ट्रार प्रो. कमलेश मिश्रा, यूआईएम डायरेक्टर प्रो. शैलेश चौबे के साथ 64 लोगों की सहभागिता रही। विषय विशेषज्ञ के रूप में नेशनल डिफेंस एकेडमी पुणे में अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष चंद्रशेखर अरनकर ने कहा कि कोविड-19 के बाद भी परिस्थिति कठिन होगी तथा हमें आत्मनिर्भरता से इसका मुकाबला करना होगा। भारत की अर्थव्यवस्था एक विकसित अर्थव्यवस्था बन सकती है। वहीं प्रो. जीडी त्रिपाठी मुंबई ने कहा कि वर्ष 2020 के अंत तक जीडीपी 7% हो जाएगी और 2022 तक वैक्सीन व दवाइयाँ बनाने में भारत अग्रिम देशों की पंक्ति में खड़ा होगा। जीएस कॉलेज से डॉ. आशीष मिश्रा ने कहा कि कोविड-19 खत्म होते ही भारत की अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से उबर जाएगी।

वेबीनार 12 को - रादुविवि के पत्रकारिता विभाग द्वारा 12 मई को दोपहर 12 बजे से 'कोरोना संक्रमण: जनमाध्यमों की चुनौतियाँ एवं समाधान' विषय पर वेबीनार का आयोजन होगा।

RDU readies exam plan post lockdown

- The University Vice-Chancellor has issued necessary instructions to all the professors to conduct online classes and other academic activities through facebook, youtube, zoom app, whatsapp and other online tools

■ Staff Reporter

RANI Durgavati University (RDU) administration has chalked out complete plan for examinations which were postponed due to lockdown. As per plan, gaps between two papers will be reduced while papers will be conducted on holidays also. So that examination will be completed soon. Soon after the lockdown is called off, the University administration will ask all its departments to start preparing for examination.

The university administration has also received a letter from Rajbhavan to provide details about examination schedule. Vice-Chancellor of RDU, Professor Kapil Deo Mishra has instructed all the departmental heads to provide details and to forward desired reply to the Rajbhavan, Bhopal.

Registrar of RDU, Professor Kamlesh Mishra informed that, the higher authorities at Rajbhavan sought the details regarding number of online interactive classes, number of videos and audio lectures uploaded on the university official website, number of PDF and PPT lectures uploaded on the website, number of research papers published till date and daily time-table of online classes, etc.

After Rajbhavan came into action, RDU administration has also started online classes and other academic activities to maintain continuity in the teaching and learning process for the students during lockdown.

As per sources, the University Vice-Chancellor has issued necessary instructions to all the professors to conduct online classes and other academic activities through facebook, youtube, zoom app, whatsapp and other online tools.

सरकारी कॉलेजों के प्राध्यापकों को नहीं मिलेगा ग्रीष्म अवकाश

कार्यालय संवाददाता | जबलपुर

उच्च शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है कि सरकारी कॉलेज के प्राध्यापकों को इस साल ग्रीष्मकालीन अवकाश नहीं मिल सकेगा। 18 मई से 26 जून के बीच घोषित ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान प्राध्यापकों को परीक्षा और प्रवेश संबंधी काम करना होगा। इस दौरान प्राध्यापकों को अर्जित अवकाश लेने की पात्रता होगी। आदेश में कहा गया है कि इस संबंध में विश्वविद्यालय और अशासकीय महाविद्यालय संस्था के प्रावधान के अनुसार निर्णय ले सकेंगे। किसी भी स्थिति में परीक्षा या प्रवेश की प्रक्रिया निर्धारित समयावधि में होनी चाहिए। इस संबंध में पूरा उत्तरदायित्व संस्था प्रमुख का होगा। पी-3

अखबार की पीडीएफ कॉपी वाट्सएप ग्रुप में प्रसारित करना गैर कानूनी

प्रवेश प्रक्रिया

- विवि शिक्षण विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के समस्त पाठ्यक्रमों में 15 मई 2020 से ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ।
- प्रवेश के संबंध में माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में गूगल मीट पर विभागाध्यक्षों, कुलसचिव जी एवं प्रवेश समिति के सदस्यों की बैठक।
- विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया दिनांक 15 मई 2020 से प्रारंभ।

रादुविवि में प्रवेश प्रक्रिया 15 मई से प्रोविजनल एडमिशन ले सकेंगे छात्र

रादुविवि में प्रवेश प्रक्रिया 15 मई से

जबलपुर. रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश के लिए 15 मई से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। इस सम्बंध में कुलसचिव कमलेश मिश्र ने आदेश जारी कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि छात्र-छात्राएं 15 जून तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन फॉर्म जमा कर सकेंगे। सकेंगे। आवेदन शुल्क 300 रुपए है। पोर्टल शुल्क अलग से देना होगा।

15 मई से यूनिवर्सिटी में शुरू हो जाएंगे एडमिशन

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभागों में प्रवेश प्रक्रिया 15 मई से प्रारंभ हो जाएगी। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभागों में प्रवेश लेने वाले इच्छुक छात्र-छात्राएं 15 मई से एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रवेश आवेदन पत्र भर सकते है। जिसका शुल्क 330 रुपए होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश के लिए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 जून 2020 निर्धारित की गई। प्रवेश लेने वाले इच्छुक छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय के वेबसाइट के माध्यम से भी एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर प्रवेश आवेदन कर सकते है। विद्यार्थियों को पोर्टल शुल्क अलग से देय होगा।

पद्मावती एक्सप्रेस

जबलपुर

आरडीयू में 15 मई से प्रारंभ होगी प्रवेश प्रक्रिया

एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भर सकेंगे फार्म

कुलपति सहायता केन्द्र

- छात्रों के परीक्षा, परिणाम, डिग्री एवं प्रवेश सहित अन्य समस्याओं के निवारण हेतु माननीय कुलपति जी ने कुलपति सहायता केन्द्र आरंभ किया। जिसमें छात्र कल्याण अधिष्ठाता, उपकुलसचिव परीक्षा एवं गोपनीय के मोबाईल नम्बर सार्वजनिक किये गये, जिसमें छात्र अपनी समस्याओं का निवारण ऑनलाइन/फोन से प्राप्त कर सकें।

रादुविवि में वीसी हेल्प डेस्क शुरू, जागरूक भी किया जा रहा

जबलपुर। रादुविवि के कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र एवं कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र के निर्देशन से विवि के अन्तर्गत विश्वविद्यालयीन शिक्षण विभागों में ऑनलाईन शैक्षणिक गतिविधियां निरंतर जारी हैं। इसी के साथ विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोरोना संबंधी जागरूकता अभियान के तहत स्वास्थ्य एवं सुरक्षा कि दिशा में सावधानियों को लेकर अब तक लगभग 3 लाख 30 हजार एसएमएस भी विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों व अन्य को भेजे जा चुके हैं। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए देश में किए गए लॉकडाउन के दौरान रादुविवि छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक गतिविधियों में कोई रुकावट न आए इसके लिए विश्वविद्यालय में वीसी हेल्प डेस्क प्रारंभ की गई है।

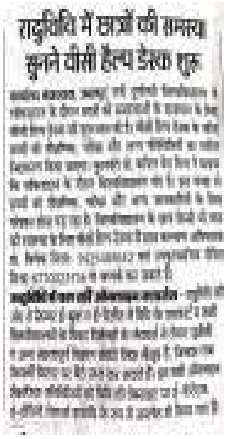

रादुविवि में छात्रों की समस्या सुलझाने वीसी हेल्प डेस्क शुरू

कोविद–19 महामारी के लिए सहायता राशि

महामहिम राज्यपाल महोदय की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री राहत कोष में दान दिया।

- वैश्विक महामारी कोविद–19 के लिए अंशदान सहायता हेतु माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री सहायता कोष में माननीय कुलपति जी ने मार्च माह का सम्पूर्ण वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में एवं अप्रैल माह का वेतन प्रधानमंत्री सहायता कोष में दान किया।
- विश्वविद्यालय के कुलसचिव जी, सभी शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अतिथि विद्वानों का एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा किया गया।

राज एक्सप्रेस

कुलपति ने प्रधानमंत्री राहत कोष में दिया अप्रैल माह का वेतन

संक्रमण को रोकने जागरूकता

रादुविवि प्राध्यापक, अधिकारी व कर्मचारी सीएम राहत कोष में देंगे एक दिन का वेतन

कुलपति ने प्रधानमंत्री राहत कोष में दिया अप्रैल माह का वेतन

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। रानीदुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने प्रधानमंत्री राहत कोष में अपना अप्रैल माह का वेतन दिया है। इसके पूर्व उन्होंने मार्च माह का अपना वेतन भी मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया था। कुलपति प्रो. मिश्र ने बताया कि कोरोना वायरस से जनजीवन प्रभावित हो रहा है और कोरोना की लड़ाई में केंद्र और प्रदेश सरकार पूरा प्रयास कर रही कि जनसामान्य को होने वाली परेशानियों से निजात दिला सकें। इसके लिए हम सबकी भी जिम्मेदारी है कि हम अपने घरों में रहने के साथ लोगों की मदद का प्रयास करें। उन्होंने अपना दो माह का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष एवं प्रधानमंत्री राहत कोष में देने की घोषणा की थी।

सेनेटाईजर, मास्क एवं औषधि वितरण

- लॉकडाउन की अवधि में विश्वविद्यालय केमेस्ट्री चिकित्सालय के एलोपैथी, आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सकों द्वारा शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों को निःशुल्क सेनेटाइजर, मास्क एवं औषधि वितरित किया।
- विश्वविद्यालय के डिजाइन इनोवेशन केंद्र द्वारा एक इम्युनिटी वर्धक पेय पदार्थ बनाया गया है जो कोविड वारियर्स के लिए अत्यंत लाभदायक है। इसे स्वीकृति हेतु स्वास्थ्य मंत्रालय को भेज गया है
- इम्यूनाइजेशन संबंधित शोध और परियोजना भी विश्वविद्यालय में चल रही है
- विश्वविद्यालय से अनेक शिक्षक, शोधछात्र एवं कर्मचारी करोना वारियर्स के रूप में अपना योगदान दे रहे है।

आरडीयू स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा सतत सेवाएं जारी

वेटनरी कॉलेज में कच्चे अनाज का वितरण–

कोरोना संक्रमण एवं स्वरोजगार

- विश्वविद्यालय कौशल विकास केन्द्र ने नगर निगम के सहयोग से छात्र–छात्राओं को मास्क निर्माण का स्वरोजगार एवं श्रेष्ठ प्रतिभागी को पुरस्कृत किए जाने की प्रतिस्पर्धा आरंभ की गई।

मास्क बनाएं और पुरस्कार पाएं

जबलपुर। कोरोना वायरस से बचाव के लिए मास्क निर्माण को प्रोत्साहित करने प्रदेश सरकार के निर्देश पर नगर निगम द्वारा जीवन शक्ति योजना का संचालन किया जा रहा है। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के सहयोग से नगर निगम जबलपुर द्वारा मास्क बनाने वाली महिलाओं एवं महिलाओं के समूह को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए आकर्षक एवं सुंदर मास्क बनाने वालों को नकद पुरस्कार के साथ ही प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए जाएंगे। इस संबंध में नगर निगम आयुक्त आशीष कुमार ने बताया कि मास्क के निर्माण की इच्छुक महिलाओं एवं महिलाओं के समूह को जीवन शक्ति अभियान से जुड़ने और पंजीयन कराने के लिए ई-मेल covid19skilledvv@gmail.com पर अपना नाम, एनरोलमेंट नं., कॉलेज/विभाग का नाम, जिले का नाम, मोबाइल नम्बर, प्रतियोगिता का शीर्षक ई-मेल में जानकारी भेजनी होगी। ऑन लाइन पंजीयन के उपरांत उन्हें योजना की प्रक्रिया से संबंधित जानकारियाँ उपलब्ध कराई जाएँगी। विस्तृत जानकारी रादुविवि के डॉ. अजय मिश्रा एवं ननि के डॉ. संजय कुमार मिश्रा से मोबाइल के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। पी-3

Sun, 03 May 2
https://epape

लॉक डाउन में विद्यार्थियों के लिए आरडीयू लाया 'मास्क' बनाओ प्रतियोगिता

जीवन शक्ति अभियान से जुड़कर महिलाएं पा सकती हैं स्वरोजगार

ननि व रादुविवि द्वारा संयुक्त रूप से चलाई जा रही है योजना

पीपुल्स संवाददाता • जबलपुर

editor@peoplessamachar.co.in

कोरोना वायरस से बचाव के लिए मास्क निर्माण को प्रोत्साहित करने प्रदेश सरकार के निर्देश पर नगर निगम द्वारा जीवन शक्ति योजना का संचालन किया जा रहा है।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के सहयोग से नगर निगम जबलपुर द्वारा मास्क बनाने वाली महिलाओं एवं महिलाओं के समूह को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए आकर्षक एवं सुंदर मास्क बनाने वालों को नगद पुरस्कार के साथ ही प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए जाएंगे। इस संबंध में नगर निगम आयुक्त आशीष कुमार ने बताया कि मास्क के निर्माण के इच्छुक महिलाओं एवं महिलाओं के समूह को जीवन शक्ति अभियान से जुड़ने और पंजीयन कराने के लिए ई-मेल पर अपना नाम, ऐनरोलमेंट नं., कॉलेज,विभाग का नाम, जिले का नाम, मोबाइल नम्बर, प्रतियोगिता का शीर्षक ई-मेल में जानकारी भेजना होगा।

ऑन लाइन पंजीयन के उपरांत उन्हें योजना की प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराई जाएंगी। अन्य विस्तृत जानकारी के लिए रानी दुर्गावती विवि के डॉ. अजय मिश्रा मो. नम्बर 9300626781 एवं नगर निगम के डॉ. संजय कुमार मिश्रा के मोबाइल नम्बर 9685043725 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

कोरोना संक्रमण जागरूकता

- विश्वविद्यालय की एनएसएस मुक्त इकाई के स्वयंसेवकों ने डॉ देवांशु गौतम के नेतृत्व में 8000 से अधिक निःशुल्क मास्क का वितरण किया।
- एनएसएस के स्वयंसेवकों ने भारत सरकार के द्वारा जारी निर्देशानुसार लॉकडाउन 01 से लॉकडाउन 03 पूर्ण होने तक जिला प्रशासन के निर्देशन मे सोशल डिस्टेंसिंग के कार्यों मे निःस्वार्थ सेवाएं दी जो कि लॉकडाउन 4 मे भी अनवरत रुप से जारी है।
- एनएसएस मुक्त इकाई के द्वारा 350 से अधिक स्लोगन, पोस्टर का निमार्ण किया गया।
- एनएसएस के स्वयंसेवकों के द्वारा कोरोना वायरस से बचाव हेतु जागरुकता की थीम पर आधारित नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन शहर के 10 विभिन्न भीड वाले क्षेत्रों में किया गया।
- सोशल डिस्टेंसिंग के पालन के उद्देश्य से स्वयंसेवकों ने भीड वाले दुकानों एवं विभिन्न स्थानों मे 1200 से अधिक सुरक्षा गोले बनाए।
- एनएसएस इकाई ने लॉकडाउन के दौरान बेजुबान पशुओं एवं पक्षियों का ध्यान रखते हुए उनकी जल व्यवस्था के लिए विभिन्न स्थानों मे 200 से अधिक सकोरे लगाए।
- एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों ने लॉकडाउन के दौरान जिला प्रशासन के साथ मिलकर 9000 कार्यघण्टों की सेवाएं देते हुए 56,000 से अधिक हेंड सेनेटाईज़ कराये।
- एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा लॉकडाउन के दौरान जिला प्रशासन के सहयोग से जरूरतमंदों को सहायता सामग्री प्रदान की गई।
- एनएसएस मुक्त इकाई के स्वयंसेवकों के द्वारा नगर के 35 से अधिक स्थानों पर साफ–सफाई रखने हेतु लोगो को जागरुक करने का प्रयास किया।
- एनएसएस मुक्त इकाई के स्वयंसेवकों के द्वारा 650 से अधिक जनधन योजना के हितग्राहियों को आहरण संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई।
- एनएसएस मुक्त इकाई स्वंयसेवकों ने लगभग 15 हजार से अधिक आरोग्य सेतु एप डाउनलोड कराए गए।
- एनएसएस मुक्त इकाई के स्वंयसेवकों ने कोरोना पीड़ितों के हितार्थ 'रक्त दान शिविर' का आयोजन किया। इसमें लगभग 100 लोगों की सहभागिता रही ।

नईदुनिया

चित्रगुप्त ने यमराज को बताया पृथ्वी पर कोरोनावायरस का प्रकोप

03052020-JBPCity-2.pdf

महानगर 2 जबलपुर

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया 'कितना खतरनाक है कोरोना'

राज एक्सप्रेस

महानगर

'जय हिंद' के साथ बैंकों में लोगों को बताया सोशल डिस्टेंसिंग का महत्व

आरडीयू एनएसएस मुक्त इकाई और मास्क बांटों को बांटे निःशुल्क मास्क

पत्रिका PLUS

कोरोना से जंग में जुटे स्वयंसेवक

बैंकों में जाकर लोगों को दिए निःशुल्क मास्क

रादुविवि की ओपन यूनिट एनएसएस का सहयोग अभियान

पत्रिका SUNDAY

SUNDAY पत्रिका PLUS

'जय हिंद' के अभिवादन से स्वयंसेवकों ने सम्भाला बैंकों में मदद का मोर्चा

यश भारत

सिटी न्यूज

जय हिंद के अभिवादन से कोरोना फाइटर्स सोशल डिस्टेंसिंग का कार्य

जिला जबलपुर प्रशासन के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना जबलपुर का संयुक्त कार्य - लोग कर रहे प्रशंसा

राज एक्सप्रेस

पत्रिका

पत्रिका सिटी सरोकार

200 कॉलेजों के 3500 कोरोना फाइटर्स लोगों को कर रहे जागरूक

The Hitavada

CityLine

NSS cadets extending services at banks

पत्रिका PLUS

पक्षियों के लिए लगाए सकोरे

जबलपुर. राष्ट्रीय सेवा योजना मुक्त इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा सकोरे लगाए गए। कुलपति प्रो. केडी मिश्र, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र के निर्देशन और डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, डॉ. आनंद सिंह राणा, जिला संगठक एनएसएस, डॉ. देवांशु गौतम के नेतृत्व में विभिन्न जगहों पर सकोरे लगाए गए।

नईदुनिया

सिटी लाइव

नईदुनिया 7

कोरोना वॉरियर्स ● संक्रमण रोकने के लिए हर स्तर पर हो रहे प्रयास, एनएसएस स्वयंसेवकों की सेवाभावना की हो रही प्रशंसा

जय हिंद के अभिवादन से कर रहे फिजिकल डिस्टेंसिंग का काम

नईदुनिया

सिटी लाइव

पक्षियों की प्यास बुझाने का संकल्प ●

पक्षियों की प्यास बुझाने आगे आए स्वयंसेवक, बांध रहे सकोरे

पक्षियों की प्यास बुझाने का संकल्प लिया एनएसएस ने

पीपुल्स संवाददाता ● जबलपुर

एक ओर जहां पूरी मानव जाति कोरोना वायरस संकट का सामना करने में लगी हुई है। वहीं दूसरी ओर एनएसएस के स्वयंसेवक सोशल डिस्टेंसिंग के कार्य के साथ-साथ पक्षियों के लिए शहर के विभिन्न स्थानों में एवं सकोरे बांध कर प्यास बुझाने का कार्य कर रहे हैं।

इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना मुक्त इकाई रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र व कुलसचिव कमलेश मिश्र के निर्देशन एवं डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी तथा आनंद सिंह राणा की उपस्थिति एवं कार्यक्रम अधिकारी देवांशु गौतम के नेतृत्व में विभिन्न संस्थाओं के रासेयो स्वयंसेवकों के साथ श्रीजानकीरमण महाविद्यालय, आगा चौक एवं रानी दुर्गावती विवि परिसर के विभिन्न स्थानों में बेजुबान पक्षियों के लिए विभिन्न वृक्षों की शाखाओं पर सकोरे बांधे। कारसेवा के दौरान रासेयो स्वयंसेवकों में रोशन प्रजापति, अरविंद लोधी, मोहम्मद साकिब एवं प्रतीक जैन आदि का विशेष योगदान रहा।

पद्मावती एक्सप्रेस

जबलपुर

आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करा रहे एनएसएस के स्वयंसेवक

राज एक्सप्रेस

महानगर 5 जबलपुर

प्यासे पक्षियों की प्यास बुझाने और जीवन संरक्षण का लिया संकल्प

सकोरों को टांग कर स्वच्छता और लक्ष्य रखने का संदेश

पे रहे शामिल

दैनिक भास्कर
City भास्कर

आरोग्य सेतु एप के प्रति जागरूक कर रहे स्वयंसेवक

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की रासेयो ओपन यूनिट के स्वयंसेवक विभिन्न प्रकार के माध्यमों से लोगों को आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवांशु गौतम ने बताया कि स्वयंसेवक विभिन्न स्थानों जैसे बैंकों के बाहर, राशन दुकानों के बाहर एवं भीड़ वाले क्षेत्रों में आम नागरिकों को पोस्टर व अन्य माध्यमों से लोगों से अपील कर रहे हैं कि वह भी आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करते हुए उसमें समस्त जानकारी देकर भारत सरकार व समाज का सहयोग करें।पी-3

30 पीपुल्स समाचार

पेड़ों की प्यास बुझाने का संकल्प लिया एनएसएस ने

पत्रिका
पत्रिका PLUS

आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करा रहे एनएसएस के स्वयंसेवक

12 पीपुल्स समाचार
अपना जबलपुर

आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करा रहे एनएसएस के स्वयंसेवक

जबलपुर। वर्तमान समय में कोरोना वायरस महामारी एक बहुत बड़ा संकट सामने है एवं इस संकट से निपटने के लिए प्रत्येक देश अपने-अपने स्तर पर कार्य कर रहा है। इस क्रम में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ओपन यूनिट एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ देवांशु गौतम के नेतृत्व में स्वयंसेवक विभिन्न प्रकार के माध्यमों से लोगों को आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं तथा आरोग्य सेतु एप के लाभ व विवरण को समझाते हुए जागरूक कर रहे हैं। जिस क्रम में संपूर्ण भारतवर्ष में एनएसएस के स्वयंसेवक निस्वार्थ सेवा भाव से तत्परता से जागरूकता कार्य में लगे हुए हैं।

The Hitavada
CityLine

People urged to download 'Arogya Setu'

■ PM Modi has appealed citizens and NSS volunteers to download Aarogya Setu app and remain updated about corona contacts

■ Staff Reporter

THE NSS volunteers are on a new mission to convince people to download Arogya Setu app by creating awareness about it's significance to make society free from corona. These NSS volunteers under the leadership of Dr Devanshu Gautam, Programme Officer of Jabalpur Open Unit NSS, Rani Durgavati University are explaining people the usefulness to download the app.

It may be mentioned that Prime Minister Narendra Modi has appealed citizens to download Aarogya Setu app to remain updated about corona contacts. He also appealed NSS volunteers to support individuals and communities in the present crisis.

Following which, the volunteers are selflessly rendering their services to maintain social distance outside different organisations, institutes and shops, supporting local administration to strengthen food supply. All these activities are being conducted under the guidance of Vice Chancellor of RDVV Professor Kapil Dev Mishra, Registrar Professor Kamlesh Mishra and director of Programme Co-ordinator Professor Ashok Marathe and NSS District Organiser Dr Anand Singh Rana.

The volunteers are making efforts to clear the confusion people have regarding Aarogya Setu app and become hesitant to download the same in their mobiles. The volunteers are informing public that this app is completely safe and original. When they explained the procedure to download the app, majority of the people became aware about Aarogya Setu and happily downloaded the same.

नईदुनिया
सिटी लाइव

प्रशंसनीय● रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के अंतर्गत एनएसएस इकाई के स्वयंसेवक कर रहे हैं लोगों को जागरूक

स्वास्थ्य रक्षा के लिए 'आरोग्य सेतु' करा रहे डाउनलोड

कोरोना जागरूकता प्रतिस्पर्धा

विश्वविद्यालय के कैरियर गाइडेंस काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के द्वारा अवसाद अथवा अथवा समसामयिक चुनौतियों में भया क्रांत छात्र छात्राओं को काउंसलिंग के माध्यम से ऑनलाइन सुविधा प्रदान की जा रही है। हमारे विद्यार्थी भयमुक्त अवसाद मुक्त निडर एवं चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो, ऐसी काउंसलिंग प्रकोष्ठ के द्वारा की जा रही है जिसका सुखद परिणाम बच्चों युवाओं अभिभावकों एवं छात्र छात्राओं में सतत देखने को मिलरहा है।

- विश्वविद्यालय कौशल विकास ने कोरोना जागरूकता के पोस्टर, निबंध, कार्टून, पेंटिंग एवं कविता की ऑनलाईन प्रतिस्पर्धा विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों में आयोजित किया। इसका ध्येय कोरोना संक्रमण से बचाव एवं जागरूकता है। इसमें लगभग 11 हजार छात्रों ने अपनी प्रविष्टि प्रेषित किया गया। इसमें 11 हजार छात्रों ने अपनी प्रविष्टि प्रेषित की है। विजयी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

जरूरतमंदों के लिए स्वयंसेवकों ने किया रक्तदान

विश्वविद्यालयों में **University Integrated Management System** लागू किया गया

महामहिम राज्यपाल जी की पहल से न केवल मध्यप्रदेश में वरन पूरे देश मैं पहली बार University Integrated Management System पूरे प्रदेश के विश्वविद्यालयों में लागू किया गया है जो एक अभिनव प्रयोग है। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के द्वारा एक ऐसा सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है जो सभी विश्वविद्यालय कार्य पद्धति में एकरूपता तथा समय की बचत के साथ आर्थिक बचत महत्वपूर्ण है। आने वाले दिनों में महामहिम के निर्देशन में किया गया यह कार्य इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में लिखा जाएगा।

निश्चय ही इस यज्ञ में महामहिम राज्यपाल जी का नेतृत्व और पहल ही हमारी प्रेरणा का स्रोत है। हम सभी कृतसंकल्प हैं कि आपके दिखाए मार्ग पर दृढ़ता से चलकर आपके उच्च शिक्षा जगत के लिए देखे गए सपनों को साकार करेंगे जो केवल भारत के लिए ही नहीं वरन विश्व के लिए एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाने में सक्षम होगा ऐसा हम सभी का विश्वास है।

———————.